मूल्य – 5 रु.

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर द्वितीय सत्र 2015-16 प्रारंभ

आओ स्कूल चलें!

विधवा महिलाओं के बच्चों हेतु निःशुल्क शिक्षा

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारांशु

मासिक

जुलाई – अगस्त, 2015
वर्ष 3, अंक 10, पृ.सं. 20

आनन्द वृद्धाश्रम :-

आनंद वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के लिए जुलाई का महीना खान–पान का महीना सा लगता है। सर्वप्रथम माह के पहले सप्ताह में "होटल मुकुंद विलास" द्वारा उन्हें शानदार लंच दिया गया फिर 16 जुलाई को "जोधपुर मिष्ठान भण्डार (जे.एम.बी.)" के श्री कालूजी परिहार ने अपनी स्वर्गिय माताजी श्रीमती मीरा परिहार की स्मृति में आनंद वृद्धाश्रम में एक भोज का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री कालूजी ने स्वयं अपने हाथों से बुजुर्गों को विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन परोसे। भोज का आनंद तारा नेत्रालय व तारा स्टाफ ने उठाया।

एक वृद्ध सहयोग राशि रु. 5000/- प्रति माह

होटल मुकुंद विलास में दावत का आनंद लेते वृद्धजन ।

जोधपुर मिष्ठान भण्डार, उदयपुर (जे. एम. बी.) के श्री कालूजी परिहार आनंद वृद्धाश्रम में भोज सेवा देते हुए।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।
01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ - भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा निःशुल्क हैं।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा – श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तखत सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

संयोजन सहायक
जगदीश मुण्डानिया

अनुक्रमणिका

विषय		पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम गतिविधियाँ	–	02
अनुक्रमणिका	–	03
जद्दोजहद..... एक जिंदगी बचाने की.... / साथी हाथ बढ़ाना	–	04–05
तारा समाचार : हार्दिक अभिनन्दन	–	06
हमारे सेवा प्रकल्प : गौरी योजना	–	07
हमारे सेवा प्रकल्प : तृप्ति योजना / केस स्टडी : तारा नेत्रालय	–	08
तारा के सितारे : शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल / तारा आयोजन	–	09
प्रस्तावित वृद्धाश्रम.... / प्रेरक प्रसंग	–	10
स्वास्थ्य / प्रेरणा	–	11
हमारे भामाशाह	–	12
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	–	13–15
स्वागत	–	16
धन्यवाद	–	17–18
सम्पर्क सूत्र – तारा संस्थान	–	19

आशीर्वाद – डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल अपनी पूज्य माता एवं पूज्य पिता डॉ. कैलाश 'मानव' की सन्निधि में,

'तारांषु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

जद्दोजहद.... एक जिंदगी बचाने की....

श्री विवेकानन्द खरे आनन्द के पलों में

आज से लगभग ढ़ाई साल पहले मुम्बई के सांताक्रूंज में रहने वाले रमेश भाई शाह का फोन आया था कि तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में यदि जगह हो तो मैं एक बुजुर्ग को भेजना चाहता हूँ.... जगह थी तो मैंने हाँ कर दी.... थोड़े दिनों बाद एक बुजुर्ग मुंबई से आ गए उनका नाम था विवेकानन्द खरे। जब विवेक आए तो वो ठीक से चल भी नहीं पाते थे बल्कि खड़े होने के लिए भी उनको वॉकर का सहारा लेना पड़ता था, इतने कमजोर थे कि लगता था मानो शरीर में जान ही ना हो। ''आनन्द वृद्धाश्रम'' में जब अच्छा खाना–पीना हुआ तो विवेक जी के शरीर मे जान आने लगी और वो वॉकर के सहारे चलते लगे। फिर वॉकर भी छूट गया, एक छड़ी के सहारे अब वो आराम से घूम सकते थे। धीरे धीरे विवेक आनन्द वृद्धाश्रम के काम में हाथ बंटाने लगे... बाजार से समान लाना हो या तृप्ति योजना के बुजुर्गों हेतु खाने के पैकेट बनाना सब में वो मदद करते.... कभी कभी तो आनन्द वृद्धाश्रम में कोई बुजुर्ग ज्यादा बीमार हो जाते और बिस्तर में ही मल–मूत्र कर देते तो विवेक उनको भी साफ कर कपड़े बदल देते थे जो कि मेरे हिसाब से बहुत मुश्किल कार्य था। पिछले कुछ सालों में विवेकानन्द खरे आनन्द वृद्धाश्रम में प्यार से ''विक्की'' के नाम से जाने लगे और सभी बुजुर्ग उनसे स्नेह करने लगे। विवेक जब तारा संस्थान में आए जो उनके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं थी, श्री रमेश जी शाह जिन्होंने विवेक को भेजा था, उनसे एक दो बार बात हुई और विवेक जी की जो कहानी सुनने को मिली वो रोंगटे खड़े करने वाली थी :

''रमेश भाई सप्ताह में एक दिन मुम्बई में भिखारियों को खाना खिलातें है और ऐसे ही एक दिन वो जब भिखरियों को भोजन करवा रहे थे तो उन्हें विवेक जी मिले.... विवेक जी थोड़ी बहुत अंग्रेजी बोल रहे थे, यह देख कर रमेश भाई थोड़ा चौंक गए और उन्हें लगा यह व्यक्ति भिखारी तो नहीं हो सकता, जरूर कोई परिस्थिति इसे सड़क पर लाई है। रमेश भाई ने विवेक जी से बातचीत की तो विवेक ने बताया की वो मेकेनिकल इंजीनियर थे और उनका मुम्बई के जुहु इलाके में एक फ्लेट था। जब विवेक रिटायर हुए तो उनके भाई ने उनसे कहा कि यह फ्लेट बैच कर यह पैसा मुझे दे दो तो मैं और मेरा परिवार आपकी ताउम्र देखभाल करेंगे, क्योंकि विवेक जी ने शादी नहीं की थी और उनका कोई परिवार नहीं था, इसलिए उन्होंने भाई की सलाह मानी और फ्लेट बैच कर पैसे भाई को दे दिये। भाई और उनके परिवार ने विवेक जी की थोड़े समय तो देखभाल थी लेकिन फिर कुछ न कुछ कारण बताकर उनको घर से निकाल कर मुम्बई के ही एक वृद्धाश्रम में छोड़ दिया जहाँ पर वृद्ध लोागें से रहने खाने पीने का पैसा लिया जाता था। विवेक अपना शेष जीवन वहाँ बिता लेते लेकिन जिस भाई ने फ्लेट का सारा पैसा अपने पास रख लिया था उसने वृद्धाश्रम को पैसा देना भी बन्द कर दिया तो वृद्धाश्रम ने भी विवेक जी को बाहर निकाल दिया। बस यही से विवेक जी सड़क पर आ गए और भिखारियों का जीवन बिताने लगे। जो मिलता वो खा लेते और नहीं मिलता तो नहीं खाते। और इस कारण वे इतने कमजोर हो गए थे के उनसे ठंग से खड़ा भी नहीं हुआ जाता था। जब भी मैं विवेक जी को देखती तो मन में विचार आता कि कोई भाई इतना कूर कैसे हो सकता है कि अपने भाई की सम्पत्ति हड़प कर उसे सड़क पर भीख मांगने छोड़ दिया....! यदि रमेश भाई विवेक को तारा संस्थान में नहीं भेजते तो वे भी मुम्बई की सड़क पर एक लावरिस लाश बनकर समाप्त हो जाते। लेकिन नीयति उनको बचाना चाहती थी तो विवेक बच गए। विवेक एक अच्छा खाता–पीता जीवन आनन्द वृद्धाश्रम में और सभी बुजुर्गों के साथ मिल जुल कर बिता रहे थे.... कुछ महीनों पहले विवेक जी के मुह में एक गांठ का पता लगा। उदयपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में उनको दिखाया गया तो डॉ. ने आशंका व्यक्त थी कि शायद यह गांठ कैंसर हो सकती है। गांठ की बायोप्सी करवाई गई और डॉ. की आशंका सच निकली––विवेक को कैंसर था। हमें जब यह पता लगा तो थोड़ा परेशान हुए क्योंकि मालूम था कैंसर का इलाज न केवल मुश्किल होता है बाल्कि बहुत महंगा भी होता है। मन में यहाँ खयाल आया कि ईश्वर ने जब उन्हें हमारे पास भेजा है तो उसकी इच्छा यही होगी की हम उनकी जिन्दगी बचाएँ। इसी खयाल ने ताकत दी और यह निर्णय किया कि विवेक जी को अच्छे से ईलाज करवा कर स्वस्थ किया जाए.....

विवेक जी वृद्धाश्रम के मित्रों के साथ हँसी – ठिठोली करते हुए

ऑपरेशन के पश्चात लौटते हुए विवेक जी

.....सरकारी अस्पताल में पता किया तो बताया गया की उनका ऑपरेशन करना पड़ेगा लेकिन वहाँ ऑपरेशन की सुविधा नहीं थी। ऑपरेशन के लिए निजी अस्पताल में पता किया तो वह बहुत ही महंगा लग रहा था। कहीं से पता लगा की मुम्बई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में कम पैसे में ऑपरेशन हो जायेगा तो विवेक जी को संस्थान के एक कार्यकर्त्ता के साथ मुम्बई भेजा। मुम्बई के टाटा मेमोरियल में बहुत सारी जाँचें हुई और उन में भी विवेक जी के कैंसर की पुष्टि हुई। टाटा मेमोरियल में विवेक जी को बार–बार लाना और ले जाना बहुत ही पीड़ादायक था। क्योंकि मीरा रोड़ स्थित तारा के हॉस्पीटल जहाँ वो रुके हुए थे वहाँ से टाटा मेमोरियल आना जाना और घंटों डॉ. को दिखाने व जाँचें के पहले इंतजार करना तकलीफ देय था। तो फिर यह सोचा गया कि उदयपुर के एक निजी अस्पताल में ही इनका ऑपरेशन करवा दिया जाए। विवेक जी को उदयपुर के निजी अस्पताल में बताया गया और एक जाँच में यह पता लगा के उनके फेफड़े में भी एक गांठ है। वह गांठ भी अगर कैंसर होती तो विवेक जी की मुंह वाली गांठ का ऑपरेशन भी नहीं किया जाता क्योंकि कैंसर यदि ज्यादा फैला हुआ हो तो ऑपरेशन का कोई फायदा नहीं होता है। फेफड़े की गांठ की बहुत महंगी एक जाँच अहमदाबाद से हुई और उसमें यह पता लगा की कैंसर नहीं है। दिनांक 27 जुलाई, 2015 को विवेक जी के मुंह में कैंसर का ऑपेरशन किया गया। जबड़े का एक बहुत बड़ा हिस्सा हटाकर उसकी जगह दूसरा मांस लगाया गया। यह लेख लिखे जाने के कुछ दिन पूर्व विवेक जी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। जब तक घाव नहीं भरेंगे तब तक कुछ खा नहीं सकेंगे। उनके नाक में भोजन देने की एक नली लगी हुई है, जब घाव भर जाएंगे तो विवेक जी को कीमिओथैरेपी या रेडियोंथेरेपि दी जाएगी और हमें विश्वास है कि वे पूर्णतः स्वस्थ होंगे। श्री विवेकानन्द खरे या विवेक या विक्की जिनका वर्णन इस लेख के माध्यम से किया है वो आप से दो बाते बताने का प्रयास है :–

आनन्द वृद्धाश्रम में विवेक जी देखभाल करते एक बुजुर्ग।

बेडरेस्ट करते हुए विवेक जी

1. जिन बुजुर्गों के लिए हम काम करते है तो उनमें से अधिकांश पीड़ित बुजुर्ग वे हैं जिन्होंने अपनी सम्पत्ति अपनी मृत्य के पहले अपने बच्चों या रिश्तेदारों को दे दी और सम्पत्ती लेने के बाद उन्हीं बच्चों या रिश्तेदारो ने उन बुजुर्गों को घर से निकाल दिया, तो यह बहुत बड़ी एक सीख है कि अपनी सम्पत्ति बच्चों के नाम अवश्य करें पर अपनी मृत्यु के बाद।

2. दूसरी, तारा संस्थान का आनन्द वृद्धाश्रम जो की बुजुर्गों के लिए पूर्णतयाः निःशुल्क है उसमें सिर्फ उनके रहने या अच्छा खाने कि व्यवस्था भर नहीं है वरन हमारा यह प्रयास रहता है कि निःशुल्क होने के बावजुद हम रहने वाले बुजुर्गों को हर संभव मेडिकल सुविधा भी उपलब्ध कराऐं। विवेक जी के पहले भी हमने कुछ गम्भीर बीमार बुजुर्गों पर कुछ लाख रूपये तक खर्च किए––चाहे संस्थान भी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। हम यह मानते है कि जब एक जिम्मेदारी ली है तो उसका पूर्ण वहन हमारे द्वारा हो। अन्त में मैं उन सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त करूंगी जिन्होंने श्री विवेक जी के ईलाज हेतु अपना सहयोग दिया। और वृद्धाश्रम के प्रभारी श्री राजेश जैन एवम् श्री चिमन भाई को भी धन्यवाद दूंगी जिन्होंने विवेक जी के ईलाज में पूरी निष्ठा से काम किया।

कल्पना गोयल

साथी हाथ बढ़ाना...

''साथी हाथ बढ़ाना'' में हम आग्रह करते हैं उन दानदाताओं से जो तारा संस्थान से जुड़े हैं कि वे अपने परिजनों और ईष्ट मित्रों को तारा संस्थान से जोड़ें। सोच बहुत स्पष्ट है कि हम कहें कि तारा संस्थान के सेवा कार्यो में आप जुड़ें और कोई दानदाता कहे कि मैनें भी वहाँ दान किया है और आप भी अच्छे कार्य से जुडे तो बहुत बडा फर्क आएगा। आप सब का सहयोग इसी तरह मिलता रहेगा तभी तारा संस्थान की गतिविधियाँ निरंतर चलती रहेगी..... बस आप से एक ही निवेदन है जब भी थोड़ा समय मिले नीचे दिए गये फार्म में 2–4 नाम, पते व फोन नम्बर भरकर हमें भेज दीजिए और अपने इन दोस्तों से कहियेगा कि तारा से वे भी जुड़ें।

आदर सहित

कल्पना गोयल

नाम	नाम .....
पता	पता .....
..... मोबाइल नं.	..... मोबाइल नं. .....

हार्दिक अभिनन्दन...

श्रीमती एवं श्री एन. पी. भार्गव सा.(मुख्य संरक्षक–तारा संस्थान व उद्योगपति–समाजसेवी, नई दिल्ली) ने अपनी विवाह की 58वीं वर्षगांठ दि. 3 जुलाई, 2015 को सहोल्लास मनाई। इस अवसर पर उन्होंने 5,90,000 रु. का चेक तारा संस्थान को शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के विकास हेतु दिया। **तारा परिवार की और से उन्हें शतः शतः प्रणाम व बधाईयाँ!**

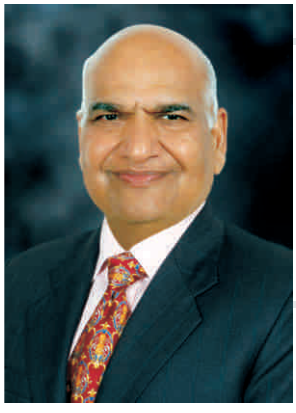

श्रीमान् सत्यभूषण जैन सा.,
(संरक्षक – तारा संस्थान एवं अग्रणी समाज सेवी, नई दिल्ली) ने अपना 61वाँ जन्मदिवस दिनांक 19 जुलाई, 2015 को मनाया।

समस्त तारा संस्थान की और से हार्दिक बधाई एवं शतायु होने की कामना प्रकट की गयी।

इस उपलक्ष्य में तारा नेत्रालय, दिल्ली में एक नेत्र शिविर आयोजित किया गया।

श्रीमती शमा – श्री रमेश सचदेवा, संरक्षक (तारा संस्थान, उदयपुर), उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली द्वारा छत्तरपुर (दिल्ली) में एक मंदिर का निर्माण करवाया गया है एवं दिनांक 04.05.2015 को यहाँ प्राण–प्रतिष्ठा करवाई गई।

मंदिर प्राण - प्रतिष्ठा के अवसर पर श्रीमती शमा सचेदवा एवं श्रीमती कल्पना गोयल

गौरी योजना

आप भी एक निःसहाय विधवा को पेंशन प्रदान करें रु. 1000/- प्रति माह

वँदना की व्यथा

वँदना के पति दो साल पहले हृदयघात से गुजर गए। इसलिए वँदना ने स्कूल में नौकरी कर जैसे–जैसे अपनी सास व बच्चे की परवरिश करनी शुरू की।

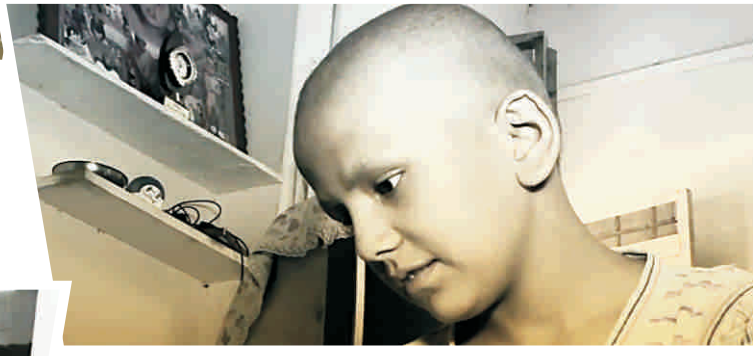

फिर दो साल बाद मालूम हुआ कि बच्चे की आंख में कैंसर हो गया है।

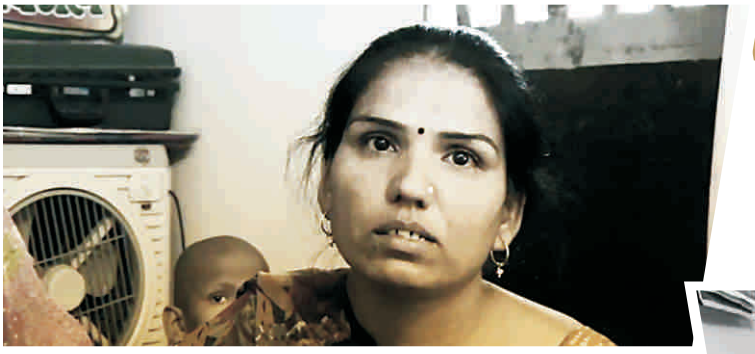

दुःख की मारी वँदना पर एक और मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा। स्कूल की नौकरी छोड़ कर अपने रिश्तेदारों की मदद से बच्चे को ऑपरेशन हेतू अहमदाबाद ले गई।

वँदना एक अकेली जान जैसे–तैसे जीवन बसर कर रही है और साथ ही साथ सास और बच्चे की भी ज़िम्मेदारी निभा रही है।

तारा संस्थान प्रतिमाह इन्हे गौरी योजना के अन्तर्गत 1000 रु. की पेशंन प्रदान कर कुछ राहत दे रही है। लेकिन बच्चे के कैंसर के ईलाज हेतू और आर्थिक सहायता की आवश्यकता है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

हमारे सेवा प्रकल्प :-

तृप्ति योजना

एक बुजुर्ग बेहसहारा को मासिक राहत पहुँचाएँ रु. 1500/- प्रति माह

लाचार सुरेश कुमार को एक छोटी सी राहत...

सुरेश कुमार (35 वर्ष) निः फतहनगर, जि. उदयपुर (राज.) : पेशे से रिक्शा चालक सुरेश को एक दिन पक्षाघात हो गया जिससे न सिर्फ शरीर ने काम करना बंद कर दिया बल्कि आँखों की रोशनी भी चली गई। थोड़ी बहुत जो जमीन थी उसे बेचकर अहमदाबाद में इलाज व ऑपरेशन करवाया परन्तु दो ऑपरेशन के बावजूद डॉक्टरों ने हाथ खड़े कर दिए। लाचार व बेबस सुरेश घर में लेटा रहता है––कोई सहारा नहीं है। पिताजी की जो पेंशन आती है वो बड़े भाई––जिनके साथ वे रहते है उनको चली जाती है। वह भगवान भरोसे पड़ा हुआ था कि एक दिन तारा संस्थान के स्थानिय साधक को उनकी दयनिय हालत का पता चला तो उन्होंने उसे संस्थान की तृप्ति योजना में शामिल करवाया। इस प्रकार लाचार – बीमार सुरेश जीवन जी पाने स्थिति में आया।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है।
आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

केस स्टडी :-

तारा नेत्रालय : ढ़ेला राम की जान जाते - जाते बची....

1 निर्धन, निःसहाय का मोतियाबिन्द ऑपरेशन कराएँ रु. 3000/- प्रति

ढ़ेलाराम (45 वर्ष) एक छोटा कृषक है जो उदयपुर से लगभग 80 कि.मी. दूर लसाडिया गाँव का निवासी है। संतानहीन व नितांत गरीब इस असहाय को पिछले 6 माह से दाईं आँख से दिखाई देना बंद हो गया था। अनपढ़ ढेलाराम इसे अपनी किस्मत का खेल समझ चुप था कि करे तो क्या करे, सोचता था बिना रोशनी के कैसे खेती कर पायेगा, किसी दिन गड्ढे में गिर कर मर जाएगा तो मुक्ति तो मिलेगी इन समस्याओं से! फिर किस्मत से, एक दिन इनके गाँव में तारा नेत्रालय, उदयपुर द्वारा नेत्र जांच शिविर रखा गया जिसमे उसकी जांच में पता चला कि उसकी दाईं आँख में पका हुआ मोतियाबिंद है जिसका तुरंत ऑपरेशन करना होगा वरना उसकी आँख पुरी तरह से खराब हो जायेगी। सो, ढेलाराम का तारा नेत्रालय, उदयपुर में ऑपरेशन हेतु चयन कर यहाँ भरती कर दिया गया! ऑपरेशन के पश्चात उसकी दाई आँख में अच्छी तरह से दिखाना शुरू हो गया। अति प्रसन्न ढेलाराम ने तारा संस्थान का लाख–लाख शुक्रिया अदा किया कि उसका ऑपरेशन, दवाईयां एवं तीन दिन तक रहना–खाना सहित सम्पूर्ण खर्चा तारा संस्थान द्वारा उठाया गया।

जिसे जीत लिए जाने का भय होता है उसकी हार निश्चित होती है...

तारा के सितारे :-

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर का एक होनहार विद्यार्थी : करण गमेती

एक विधवा के बच्चे की शिक्षा सौजन्य रु. 12000/- प्रति वर्ष

11 वर्षिय करण कक्षा 4 का एक मेधावी छात्र है। इसके पिता का करीब 8 वर्ष पूर्व देहांत हो गया था तब से इसकी निर्धन एवं अनपढ़ माँ लोगों के घरों में दैनिक कार्य करके दोनों का गुजारा चलाती है। करण कुशाग्र बुद्धी होते हुए अपनी कक्षा में हमेशा प्रथम स्थान पाता है साथ ही साथ वह चित्रकला, खेल-कूद एवं नृत्य में भी रुचि रखता है। उसकी माता की इच्छा है कि उत्साह और ऊर्जा से भरपूर करण बड़ा होकर पुलिस विभाग में नौकरी कर समाज एवं देश की सेवा करें। जिस प्रकार से शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल इस बालक को सम्पूर्ण शिक्षा बिलकुल निःशुल्क देकर उसे भविष्य के सुनहरे पथ पर अग्रसर कर रहा है उसे देखते हुए स्पष्ट है कि करण एक दिन अपनी माँ और स्कूल की अपेक्षाओं पर निश्चित रूप से खरा उतरेगा।

तारा आयोजन :-

डॉक्टर्स दिवस आयोजित

तारा नेत्रालय, उदयपुर में डॉ. लीना दवे व डॉ. सुबोध सर्राफ

तारा नेत्रालय, दिल्ली में डॉ. जयदीप धामा व डॉ. पूजा धामा का अभिनन्दन

तारा नेत्रालय, मुम्बई में डॉ. हितेश नैत्रावली का अभिनन्दन

तारा संस्थान, उदयपुर में दि. 1 जुलाई, 2015 को डॉक्टर्स दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डॉ. लीना दवे व डॉ. सुबोध सराफ का अभिनन्दन किया गया। समस्त स्टाफ को संबोधित करते हुए संस्थान की अध्यक्षा श्रीमती कल्पना गोयल ने डाक्टरी पेशे को एक उच्च कोटि का मानविय पेशा बताया। संस्थान के सी. ई. ओ. श्री दीपेश मित्तल ने तारा नेत्रालयों की सफलता के पीछे चिकित्सकों व सारे स्टाफ का हाथ बताया। जहां वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. लीना दवे ने कहा कि उन्हें ईश्वरीय प्रेरणा इस पेशे में लाई वहीं डॉ. सराफ तारा संस्थान द्वारा प्रदत पारिवार के से माहौल व सहयोग हेतु अपनी खुशी व संतुष्टी प्रकट की। इसी अवसर पर तारा नेत्रालय, दिल्ली व मुम्बई में भी यह दिवस सहोल्लास मनाया गया। एवं डॉ जयदीप धामा व डॉ. पूजा धामा (दिल्ली) तथा डॉ. हितेष नैत्रावली (मुम्बई) का अभिनन्दन किया गया।

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये...

प्रस्तावित वृद्धाश्रम हेतु भूमि के लिए कृपया दान सहयोग करें

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में अभी 42 बुजुर्ग रह रहे है। संस्थान की शुरू से यही नीति रही है कि कोई भी बुजुर्ग जो हमारे पास आए उसे मना नहीं किया जाए और वृद्धाश्रम में रहने की सुविधा दी जाए, लेकिन आज की स्थिति में पुरूषों के कक्ष में स्थान भर गए है और अभी हाल ही में आए एक पुरूष बुजुर्ग को एक हॉल में स्थान देना पड़ा। इस स्थिति को देखते हुए तारा संस्थान ने यह निर्णय किया शहर के मध्य एक भूमि क्रय कर उसके ऊपर वृद्धाश्रम का निर्माण करवा जाए। उदयपुर के सेक्टर 14 में एक प्लॉट लिया है जिसका क्षेत्रफल लगभग 7 हजार वर्ग फिट है। संस्थान इस प्लॉट पर सर्व-सुविधा युक्त एक वृद्धाश्रम निर्माण की मंशा रखती है, जिसका भवन कम से कम चार-पाँच माले का होगा। संस्थान के सभी दानदाताओं से अपील है कि वे भूमि के लिए अपनी सौजन्य राशि प्रदान कर सकते है :-

-: भूमि सौजन्य राशि :-

भूमि सेवा रत्न	**:**	**1,00,000 रु.**
भूमि सेवा मनीषी	**:**	**51,000 रु.**
भूमि सेवा भूषण	**:**	**21,000 रु.**

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

प्रेरक प्रसँग :-

नन्ही बच्ची की मुस्कान ने बदला जीने का नज़रिया

एक लाईफ चेंजिंग स्टोरी : एक आदमी हर दिन ऑफिस जाने के लिए कॉलोनी के बाहर बस स्टॉप पर खड़ा रहता है। एक दिन उसने देखा कि एक महिला अपनी बच्ची के साथ वहाँ खड़ी थी। उसने उससे बस की जानकारी मांगी। आदमी ने बसों के क्रम के अनुसार उनके नंबर बता दिए। इस दौरान उस बच्ची ने उसे प्यारी–सी स्माइल दी, जो उसके मन को छू गई, उसने जेब से चॉकलेट निकालकर उसे दे दी, जो वह अक्सर घर के लिए ले लिया करता था। उस बच्ची ने उसे थैंक्यू कहा। अब लगभग हर दिन बस स्टॉप पर उस व्यक्ति की उस महिला और उसकी बच्ची से नजरें मिल ही जाती थी। वह बच्ची स्माइल करती और गुड बाय बोलकर अपनी माँ के साथ बस में चली जाती थी। कुछ दिनों में पता चला कि वह बच्ची उस कॉलोनी में ही रहती थी। वह अक्सर अन्य के साथ खेलती दिख जाती थी।

फिर एक दिन बस स्टॉप पर वह दोनों नहीं दिखे। उस आदमी ने सोचा कि हो सकता है बच्ची की छुट्टी वगैरह हो। कुछ दिन बीत गए, लेकिन वह बच्ची और उसकी माँ बस स्टॉप पर नहीं आई। वह मैदान में अन्य बच्चों के साथ भी नहीं दिखी। आदमी की जिज्ञासा बढ़ गई, उसने उनके बारे में जानकारी निकाली। पता चला कि वह महिला दुनिया छोड़ कर चली गई। महिला का पति उसे धोखा देकर छोड़ गया था। उसके पास कोई नौकरी वगैरह नहीं थी, माँ–बेटी की गुजर–बसर नहीं हो पा रही थी। अकेलेपन और तनावभरी जिंदगी से उसने हार मान ली थी। उस आदमी ने उसकी बच्ची के बारे में पूछा, तो पता चला कि उसे अनाथालय में रखा गया है क्योकिं उसका कोई नहीं था और कोई उसकी जिम्मेदारी उठाने के लिए भी तैयार नहीं था।

अगले ही दिन वह आदमी अनाथालय पहुंच गया। वहाँ उसने उस बच्ची के बारे में पूछा, तो उसे इशारे से बताया गया। वह अन्य बच्चों के साथ बगीचे में खेल रही थी। उसकी नज़रें उस व्यक्ति पर पड़ी, उसने फिर वही स्माइल दी। फिर वह उसके पास आई और कहने लगी – मेरी चॉकलेट कहाँ है। आदमी मुस्कुरा दिया और उसके लिए खरीदी चॉकलेट उसे दे दी। उसने फिर मधुर आवाज में उसे थैंक्यू कहा और वह चली गई। आदमी उसे खेलते और मस्ती करते देखता रहा। रास्ते भर वह अपनी परेशानियों के बारे में सोचता रहा। वह उनके बारे में सोचता रहा, जिन्होंने उसे तकलीफ पहुंचाई। फिर भी उसे अब सब आसान लग रहा था। **उसने सोचा, ये बच्ची इस हालात में भी मुस्कुरा सकती है, तो मैं क्यों नहीं। इस तरह उसने अपनी जिंदगी से निगेटिव सोच निकाल दी और अब पहले से ज्यादा खुश रहता है।**

बरसात का मौसम : जरा संभल कर

बरसात के मौसम में स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है, क्योंकि यह मौसम अपने साथ बहुत सारी बीमारियां लाता है। इस मौसम में तापमान में बार–बार बदलाव और उमस के कारण बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। इस कारण पाचन क्रिया ठीक नहीं रहती। इंफेक्शन, एलर्जी, सर्दी – जुकाम, डायरिया, फ्लू, वायरल जैसी पानी और हवा से होने वाली बीमारियां हमें घेरे रखती हैं। इसलिए इस मौसम में जरूरी है कि हम साफ–सफाई और अपने आहार का विशेष ख्याल रखें।

बरसात के मौसम में अक्सर जल–जनित बीमारियां और विशेषकर उल्टी–दस्त की शिकायतें सामने आती हैं। दूषित भोजन एवं दूषित पानी के सेवन से फैलने वाली इस बीमारी के बचाव के लिये थोड़ी–सी सावधानी कारगर सिद्ध होती है। खान–पान में व्यक्ति यदि सावधानी बरते तो उल्टी–दस्त की शिकायत नहीं होगी।

सावधानियाँ :–

♦ बासी भोजन न करें। ♦ कटे फल, सब्जियां व खुले में रखा खाद्य पदार्थ बिल्कुल न खाएं। ♦ फ्रिज में रखी वस्तुओं को गरम कर खाएं। बेहतर होगा कि खाद्य वस्तुएं फ्रिज में न रखें। ♦ साफ–सुथरे बर्तन में खाना पकाएं। ♦ फलों को धोकर खाएं तथा सब्जियों को पकाने से पूर्व ठीक तरह से धोएं। ♦ फास्ट फूड व शीतल पेय से दूरी बनाएं रखें। ♦ बच्चों को वसायुक्त आहार दें। पत्तागोभी एवं फूलगोभी की सब्जी न खाएं। ♦ चटपटा खाने का मन करे तो व्यंजन घर पर ही बनाएं और खाएं। ♦ गीले वस्त्र न पहनें। बारिश में भींगने पर घर लौटते ही स्नान करें। तुलसी की काली चाय फायदेमंद मानी गई है। ♦ च्यवनप्राश सेवन फायदेमंद है क्योंकि यह शरीर में रोग प्रतिकारक शक्ति विकसित करता है।

प्रेरणा :- खुश रहने का राज

एक समय की बात है, एक गाँव में महान ऋषि रहते थे। लोग उनके पास अपनी कठिनाईयां लेकर आते थे और ऋषि उनका मार्गदर्शन करते थे। एक दिन एक व्यक्ति ऋषि के पास आया और उनसे एक प्रश्न पूछा। उसने पूछा कि गुरुदेव, मैं यह जानना चाहता हूँ कि हमेशा खुश रहने का राज क्या है ? ऋषि ने उससे कहा कि तुम मेरे साथ जंगल में चलो, मैं तुम्हे खुश रहने का राज बताता हूँ।

ऐसा कहकर ऋषि और वह व्यक्ति जंगल की तरफ चलने लगे। रास्ते में ऋषि ने एक बड़ा सा पत्थर उठाया और उस व्यक्ति को कहा कि इसे पकड़ो और चलो। उस व्यक्ति ने पत्थर को उठाया और वह ऋषि के साथ साथ जंगल की तरफ चलने लगा। कुछ समय बाद उस व्यक्ति के हाथ में दर्द होने लगा लेकिन वह चुप रहा और चलता रहा। लेकिन जब चलते हुए बहुत समय बीत गया और उस व्यक्ति से दर्द सहा नहीं गया तो उसने ऋषि से कहा कि उसे दर्द हो रहा है। तो ऋषि ने कहा कि इस पत्थर को नीचे रख दो। पत्थर को नीचे रखने पर उस व्यक्ति को बड़ी राहत महसूस हुई।

तभी ऋषि ने कहा – "यही है खुश रहने का राज!'' व्यक्ति ने कहा – ''गुरुवर मैं समझा नहीं।'' तो ऋषि ने कहा – ''जिस तरह इस पत्थर को एक मिनट तक हाथ में रखने पर थोडा सा दर्द होता है और अगर इसे एक घंटे तक हाथ में रखें तो थोडा ज्यादा दर्द होता है और अगर इसे और ज्यादा समय तक उठाये रखेंगे तो दर्द बढ़ता जायेगा, उसी तरह दुखों के बोझ को जितने ज्यादा समय तक उठाये रखेंगे उतने ही ज्यादा हम दुःखी और निराश रहेंगे। यह हम पर निर्भर करता है कि हम दुखों के बोझ को एक मिनट तक उठाये रखते है या उसे जिंदगी भर। अगर तुम खुश रहना चाहते हो तो दुःख–रुपी पत्थर को जल्दी से जल्दी नीचे रखना सीख लो और हो सके तो उसे उठाओ ही नहीं।''

हमारे भामाशाह :–

श्री एस.एस. केजरीवाल KISWOK नामक नामी कम्पनी के चेयरमैन हैं। वे समय–समय पर विधवा महिलाओं और वृद्धजनों हेतु सेवा सहयोग करते रहते है। हाल ही में इन्होंने 25 नैत्र ऑपरेशन का सहयोग किया है। श्री केजरीवाल का बहुत–बहुत आभार।

श्री राज अरोड़ा जी नि. मसूरी (उत्तरांचल) ने हाल में 30,000/– रु. प्रति माह, का दान सहयोग का प्रण एक वर्ष के लिए लिया है। इस राशि से हर माह 3 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, 4 परिवारों को तृप्ति सहायता और 5 विधवाओं को हर साल सहायता दी जावेगी। श्रीमान् अरोड़ा का निर्धन, निःसहायजनों की तरफ से कोटिशः आभार।

श्री रूप चन्द जी गुप्ता – श्रीमती ओमवती गुप्ता नि. बल्लभगढ़, फरीदाबाद ने जुलाई में आनन्द वृद्धाश्रम में पधार कर यहाँ की गतिविधियों को स्वयं देखा ओर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने खुद दान सहयोग किया एवं अन्य को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे ऐसा इरादा व्यक्त किया।

स्व. श्री श्यामलाल दम्मानी : युवाओं सा जोशीला एक बुजुर्ग

सन् 1930 में बीकानेर में जन्मे श्यामलाल जी बचपन से ही होनहार कहलाये जाते थे। मुंबई विश्वविद्यालय से एम.ए., एल.एल.बी की डिग्री हासिल कर वहीं कार्य करते हुए मुंबई के एक कपड़ा मिल से एग्जीक्यूटिव रहते हुए 60 की उम्र में रिटायर हुए। अधिकतर लोग इस उम्र में छड़ी के सहारे ही रह जाते हैं जबकि दम्मानीजी तो नौजवानों की प्रेरणा बन चुके थे। संत श्री आठवले से प्रेरित होकर उन्होंने गरीब, बेसहारा लोगों की आवाज उठाने हेतु सन् 1991 से विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में पत्र लेखन शुरू किया। गत लगभग 25 वर्षों से एक तरह का रिकार्ड कायम करते हुए वे हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी और गुजराती समाचार पत्रों में लगभग 4000 पत्र लिख चुके थे। एक संस्थानुमा पत्र लेखक बन चुके दम्मानी जी के इन प्रयत्नों की देश भर के अनेक पत्र पत्रिकाओं द्वारा कवरेज दी जा चुकी है। सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री बी. के. बिड़ला के अलावा अनेक सामजिक संस्थाओं ने अनेक मंचों पर उन्हें "समाज सेवक" के रूप में सम्मानित किया है। इन्हें पत्र के साथ–साथ कविता लेखन एवं भजन गायन में भी महारथ हासिल थी। अनेक सामाजिक संस्थाओं के साथ सक्रियता से जुड़े हुए दम्मानी जी ने सन 1996 में स्वयं के नाम से "श्री श्यामलाल दम्मानी पत्रकारिता गौरव" नामक पुरस्कार की स्थापना की जिसके तहत अब तक कई गणमान्य पत्रकार एवं साहित्यकारों को पुरस्कृत किया जा चुका है।

इसी प्रकार उम्र के अंतिम पड़ाव तक जन–सेवा निभाते हुए यह महान विभूति दि. 30 अगस्त 2014 को इस दुनिया से विदा हो गई।

तारा संस्थान के मानविय प्रकल्पों के निमित्त इनके नाम से इनके परिजनों के माध्यम से दान सहयोग प्राप्त होता रहता है। तारा परिवार की और से स्व. श्री श्यामलालजी दम्मानी को श्रृद्धा–सुमन भेंट किये जाते हैं।

मासिक अपडेट्स :-

मोतियाबिन्द जाँच – ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जून से जुलाई, 2015 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

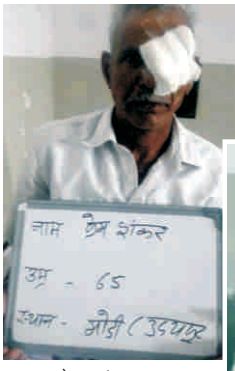

प्रेम शंकर, उदयपुर

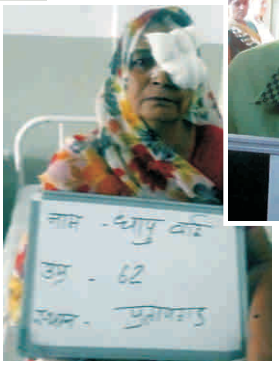

धापु बाई, उदयपुर

नपीर, दिल्ली

बैजन्ती, दिल्ली

नीरा, मुम्बई

चेतनदास, मुम्बई

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
08.06.2015	श्री ओ.पी. अरोड़ा, सोडाला – जयपुर (राज.)	87	10	70	25
22.06.2015	विपुल भाई पटेल, लाडुबेन राम भाई पटेल, नवसारी (गुज.)	126	13	39	76
01.07.2015	मैसर्स ओम प्रकाश एण्ड सन्स, करनाल (हरियाणा)	101	07	24	46
04.07.2015	तिरुपति टेक्सटाइल्स, चैन्नई	132	16	49	76
17.07.2015	श्रीमती कमलेश जी आहुजा, श्रीगंगानगर (राज.)	116	05	34	63
18.07.2015	श्रीमती मधुबाला – श्री सुभाष सुराणा एवं पुत्र मनाली सांकला, यवतमाल (महा.)	122	10	36	65
20.07.2015	माहेश्वरी प्रोविजन स्टोर्स, अहमदाबाद (गुज.)	152	19	30	83
29.07.2015	श्री मंगल चन्द, धर्मी चन्द जी बंसल, चैन्नई	45	08	21	36

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

20.06.2015	श्रीमती कुसुमलता जी जैन, गुड़गाँव	116	03	48	60
26.06.2015	श्री प्रवीण कुमार गुप्ता, गुड़गाँव	150	03	46	74

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण – दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर – 21000 रु.

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली

श्रीमती प्रेम जी निवझावन, दिल्ली

एम्पायर टेक्नोकॉम प्रा. लि., सूरत

श्री हरिश कुमार जी गोयल, निवासी - चैन्नई

श्रीमान राजेश जी मित्तल एवं परिवार, सूरत (गुज.)

श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
08.06.2015	प्रज्ञा युवा मंच, सायरा (सूरत)	सायरा	700	50	100	650
09.06.2015	श्रीमती शमा सचदेवा - श्री रमेश सचदेवा, दिल्ली	उत्तम नगर, दिल्ली	315	15	143	216
10.06.2015	डॉ. मीना सिंघल (एम.एस. हॉस्पिटल), गंगोह, सहारनपुर, यू.पी.	सिंधियों की बड़गाँव, उदयपुर	180	13	30	140
14.06.2015	जय श्री कृष्णा, दिल्ली	सुल्तानपुरी, दिल्ली	1115	16	445	664
21.06.2015	श्रीमान राजेश जी मित्तल एवं परिवार, निवासी - सूरत (गुज.)	मायदा, उदयपुर (राज.)	109	5	35	70
24.06.2015	जय श्री कृष्णा, दिल्ली	वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)	247	17	69	139
26.06.2015	श्री हरिश कुमार जी गोयल, निवासी - चैन्नई	टोड़ा, उदयपुर (राज.)	331	6	46	206
27.06.2015	तारा संस्थान, उदयपुर	संग्रामपुरा, उदयपुर (राज.)	66	5	9	60
28.06.2015	श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	सोनीपत (हरियाणा)	458	16	196	374
19.07.2015	श्रीमती अक्षय कुमारी - श्री जगदीश प्रसाद वर्मा, रीवा (म.प्र.)	मावली, उदयपुर (राज.)	70	2	30	55
28.07.2015	एम्पायर टेक्नोकॉम प्रा. लि., (श्रीमती प्रभा देवी नागलिया), सूरत	कोटड़ा, उदयपुर (राज.)	900	15	156	456
14.07.2015	श्रीमती प्रेम जी निवझावन, दिल्ली	दिल्ली	277	10	135	215
20.07.2015	श्री बाल चन्द जी जैन, गाँधी नगर, दिल्ली - 31	गाँधी नगर, दिल्ली	190	11	113	186
26.07.2015	श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	संजय नगर, गाजियाबाद	1051	45	400	921
29.07.2015	कोटा के समस्त शहरवासी	कोटा (राज.)	135	16	54	70

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से
''The Ponty Chaddha Foundation'' के सौजन्य से ६ आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

श्री राजिंदर जी चड्डा के 50वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 24 जुलाई, 2015 को 94वाँ विशाल नेत्र शिविर आयोजित
स्थल : गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, कल्याणपुरी, दिल्ली

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
07 जून, 2015	सचखण्ड नानक धाम (Regd.), इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद	613	35	310	490
28 जून, 2015	गुरूद्वारा श्री गुरूसिंह सभा, आचोले रोड़, नालासोपारा (ई.) महाराष्ट्र	224	10	112	163
05 जुलाई, 2015	गुरुद्वारा सच्चा सौदा साहिब जी, मालवणी नं. 1, मलाड (वेस्ट), मुम्बई	115	21	45	60
07 जुलाई, 2015	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, 11 ब्लॉक, कल्याणपुरी, दिल्ली	721	22	280	560
12 जुलाई, 2015	सचखण्ड नानक धाम (Regd.), इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद	376	14	179	296
19 जुलाई, 2015	गुरुद्वारा जी गुरु सिंह सभा, 20 ब्लॉक, कल्याणपुरी, दिल्ली	711	20	242	578
24 जुलाई, 2015	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, 13 ब्लॉक, कल्याणपुरी, दिल्ली	560	18	560	250
26 जुलाई, 2015	श्री गुरुसिंह सभा स्टेशन रोड़, भाण्डुप (वेस्ट), मुम्बई	170	09	75	85

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

आपकी रचनाएँ :-

ईश्वर अल्लाह तेरे नाम ! सब को सम्मति दे भगवान !!

सत्–चित्–आनन्द सचिचदानन्द आप हमारे पिता हैं। हम आपकी सन्तान है। इस धरा पर आपने हमें सुन्दर, सर्वश्रेष्ठ व ब्रह्माण्ड की सभी शक्तियाँ हमारे हाथ में दी हैं। हमारे जीवन को सुचारु रुप से चलाने के लिए सृष्टि की रचना की जो स्वयं में अनेक खूबसूरतियों से परिपूर्ण हैं। जिसमें जल, थल, वायु, अग्नि व आकाश हैं। दिन के उजाले व भोजन व्यवस्था के लिए अनेक भोज्य पदार्थ, फल–फूल दिऐ, मनोहारी बाग–बगीचे दिऐ। हमारी सुरक्षा व सहायता के लिए अनेक पशु–प्राणी की उत्पत्ति सुनिश्चित की। पर्यावरण को ठीक रखने के लिए अनेक कीट पतगें पैदा किये हालांकि वे सभी एक दूसरे के आहार हैं। अर्थात हमें सबल करने के लिए आध्यात्मिक और भौतिक सम्पदा से भी सम्पन्न किया। लेकिन हम सांसारिक सम्पदाओं में इतने उलझ गऐ हैं कि हमने खुद अविरल बहती स्थिति को बदलना शुरु कर दिया है। जिसके परिणामस्वरुप जल, थल व नभ की परिस्थिति बदलने लगी। धीरे–धीरे हम अनेक प्रकार की जटिल समस्याओं का सामना करने लगे। जिसे हम अपनी खुशहाली उन्नति समझ रहें हैं वह एक प्रकार से अपने पैरों पर कुल्हाडी मारने जैसा ही है। हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि हमें ऐसी सुमति प्रदान करें जिससे कि हम शीघ्र चेतें और अपनी बिगड़ती स्थिति को समय रहते सम्भाल लें व अपनी श्रेष्ठता भी खोने से बच जाऐ।

धन्यवाद....!

नवकिशोर गुप्ता
समाज सेवक, फरीदाबाद

सफलता एक विज्ञान है, यदि परिस्थितयां हैं तो परिणाम मिलेगा...

स्वागत :–

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्रीमान अशोक गोयल देवड़ा, पूर्व कोषाध्यक्ष,
भा. ज. पा. दिल्ली, का दि. 3 जून 2015 को तारा संस्थान, उदयपुर आगमन हुआ। संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के बारे में श्री दीपेश मित्तल, सी. ई. ओ. ने उन्हें विस्तार से बताया।

श्रीमती प्रेम जी निवझावन, दिल्ली

श्रीमती हर्ष आर्य, ग्रुप आर्य समाज एवं भारतीय योग संस्थान, दिल्ली

श्री ईश्वर सिंह एवं श्रीमती कमलेश भाटी
फरीदाबाद

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री सुभाष जी अग्रवाल, दाहोद (गुज.)

श्री राम अवतार जी सेठिया, दिल्ली

श्री हुलास चन्द जैन, हैदराबाद

श्री हर्षित जैसवानी, हैदराबाद

श्री विनु भाई, सूरत (गुज.)

श्री कृष्ण कुमार दुजारा, सिकंदरबाद

श्री अशोक जी, विजयवाड़ा

श्री अमर नाथ, हैदराबाद

श्री अमर नाथ जी बंसल, आगरा

श्रीमती कामनी गुप्ता, आगरा

श्री हरी सिंह गेहलोत, जोधपुर (राज.)

Thanks

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Manav Garg & Miss. Nidhi Garg
Faridabad (HR)

Mr. Samas Kumar & Mrs. Shribali Jain
Khadki

Mr. Santosh Kumar & Mrs. Madhubala Goyal
Churu (Raj.)

Mr. Vishvanath & Mrs. Sulochana Joshi
Mumbai

Mr. Satyaprakash & Mrs. Shushila Patel
Sonebhadra (UP)

Mr. Omprakash & Mrs. Vimla Haryana
Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Indra Chand Ji Lalwani &
Lt. Mrs. Dalham Devi Lalwani

Mr. Omprakash & Mrs. Kalpana Lavera
Hameerpur

Mr. Mangal Chand & Mrs. Pushpa Devi

Mr. Prabhulal Jain & Mrs. Basanti Devi
Mumbai

Mr. Kailash Goyal & Mrs. Geeta Goyal
Pashchimi Vihar, New Delhi

Mr. V.K. Sehgal & Mrs. Prem Sehgal
Karnal (HR)

Miss Priyal Kothari
Yawatmaal (Maharashtra)

Miss Riddhi Kothari
Yawatmaal (Maharashtra)

Mr. Vivek Barlota
Yawatmaal (MH)

Mr. Mahendra Kumar Jain
Murar, Gwalior

Mr. Balkrishna Daulatrav
Jumde, Nagpur (Maharashtra)

Mrs. Jyoti Sadhu
Nagpur (Maharashtra)

Mr. Sandeep Agrawal
Akola (Maharashtra)

Mr. Sunil Kumar Jain
Jodhpur (Raj.)

Mr. Pawan Kumar
Budhia

Mr. Navratan Suraj Bohra
Bikaner (Raj.)

Lt. Mr. Jile Singh Jangda
Narwana, Zind (HR)

Mr. Ajit Kumar Jain
Patna

Mrs. Bina Jain
Patna

Mr. Naresh Murti
Patna

Mr. Vaibhav
Hyderabad

Mr. Ramesh Krishna Dore
Nagpur (Maharashtra)

Mrs. Alka Soni
Nagpur (Maharashtra)

Mr. Purushottam Vishvanath
Trivedi, Yawatmaal (MH)

Miss. Arya Mehta
Nagpur (Maharashtra)

Mrs. Aabha Mehta
Nagpur (Maharashtra)

Miss Avaneet Kaur Bagga
Amrawati (Maharashtra)

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Jayenda Bhai & Mrs. Vimla Ben Doshi
Morbi (Guj)

Mr. Sushil Jain & Mrs. Nirmala Jain
Jaipur (Raj.)

Mr. Nand Kishore & Mrs. Kamla Devi Lakhotia
Madanganj, Kishangarh

Mr. Sachdev & Mrs. Surindra Kaur
Kapurthala

Mr. Kailash Chandra & Mrs. Shyamlata Agrawal
Akola (Maharashtra)

Mr. Shankar & Mrs. Kamla Shankar Katarpuaar
Nagpur (Maharashtra)

Mr. Satya Pratak & His Mother
Lt. Chandra Devi

Mr. D.P. Bansal & Mrs. Kusumlata Agrawal
Jaipur (Raj.)

Mr. Rajkumar Manilal & Mrs. Jayshree Rajkumar Patel
Aurangabad

Mr. Shiv Kumar & Mrs. Sangeeta Kothari
Amarawati (Maharashtra)

Mr. Binod Kumar & Mrs. Sumitra Devi
Calcutta

Mr. Parmanand Sevakram Soni &
Mrs. Meera Devi Parmanand Soni, Yawatmaal

Mr. Nand Kishore Ramratan
Kela Aakot, Akola (MH)

Mr. Rajkumar Agrawal
Nagpur (Maharashtra)

Mr. Narendra Singh Saluja
Amarawati (Maharashtra)

Mr. Ram Govind Bedekar
Nagpur (Maharashtra)

Lt. Mr. Dev Krishna Soni
Jodhpur (Raj.)

Lt. Mrs. Jhumar Devi
Dhariwal, Chhoti Khatu (Nagaur)

Lt. Mr. Omprakash Goyal
Karnal (HR)

Mr. Niraj Bejalwar
Yawatmaal (Maharashtra)

Mrs. Sujana Bejalwar
Yawatmaal (Maharashtra)

Mr. Sardhak Bejalwar
Yawatmaal (Maharashtra)

Mr. Rohit Bejalwar
Yawatmaal (Maharashtra)

Mr. Vedant Arora
Jaipur (Raj.)

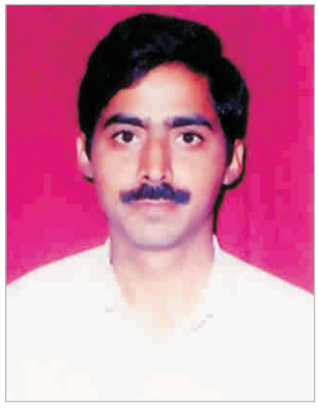

Late Mr. Sanjay Chawla
Chandigarh

Mr. Subhash Surana
Yawatmaal (Maharashtra)

Mrs. Madhubala Surana
Yawatmaal (Maharashtra)

Mr. Sabhyak Surana
Yawatmaal (Maharashtra)

Miss. Manali Sankala
Yawatmaal (Maharashtra)

Miss. Disha Arora
Jaipur (Raj.)

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office : Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Jagdish Choubisa Cell : 07821855748, Shri Bharat Menaria Cell : 07821855755

Delhi Office: WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59, Shri Amit Sharma Cell : 07821855747

Surat Office : 295, Chandralok Society, Parwat Gaon, Surat (Guj.), Shri Prakash Acharya Cell : 08866219767

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 07821855756

Shri Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 09694979090

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821055717, 07821855741

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Shri Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006
09414473392

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 **IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750 **IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645 **IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491 **IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426 **IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462 **IFS Code : cnrb0000169**
Central Bank of India A/c No. 3309973967 **IFS Code : cbin0283505**

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

TARA NETRALAYA
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya, +91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya, Shankar Singh Rathore +91 8452835042, 022 - 28480001

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2015-2017,
Dates of Posting - 11th to 18th each month. Posting Office : Shastri Circle, P.O., Udaipur,
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से
प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II,
ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

जो दानदाता आयकर में 35 AC के अन्तर्गत छूट प्राप्त करना चाहते हैं वे हमारे इस खाते में दान प्रेषित करें :
खाता सं. :- 693501700205, ICICI बैंक, सेक्टर 4, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस	आस्था भजन	आस्था
'पारस' रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	'आस्था' रविवार दोपहर 2.30 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान
बुजुर्गों के लिए...
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org